



लक्ष्मी सीड्स

अधिक उत्पादन हेतु सुझाव





लक्ष्मी सीड्स

रिसर्च मोठ किस्म

RMO-40



MOTH SEED

खेत की तैयारी एवं भूमि का प्रकार

मोठ की खेती हल्की भूमियों में अच्छी होती है। मोठ के लिए बलुई दोमट एवं बलुई भूमि उत्तम होती है। भूमि में जल निकास की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। मोठ की खेती के लिए दो बार हैरो और जुताई के लिए कल्टीवेटर लगाकर पाटा लगा देना चाहिए।



बुवाई का समय

मोठ की बुवाई 15 जुलाई तक कर देनी चाहिए। लेकिन शीघ्र पकने वाली किस्मों की बुवाई 30 जुलाई तक की जा सकती है। मोठ की बिजाई पक्ति से पक्ति से दूरी 45 सेमी रखनी चाहिए।



बीज की मात्रा

बीज की मात्रा 6 से 8 किग्रा प्रति एकड़ उपयुक्त रहती है।



खाद एवं उर्वरक

मोठ दलहनी फसल होने के कारण इसे नाइट्रोजन की कम मात्रा की आवश्यकता होती है। 8 से 10 किग्रा नाइट्रोजन प्रति एकड़ और 15 से 20 किग्रा फास्फोरस प्रति एकड़ की आवश्यकता होती है। जिसके लिए बुवाई के समय 15 से 20 किग्रा डी.ए.पी. और 5 किग्रा यूरिया भूमि में मिला देनी चाहिए।



खरपतवार नियंत्रण

मोठ की फसल जब 25 से 30 दिन की हो जाए तब निराई गुड़ाई कर देनी चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए चयनात्मक खरपतवारनाशियों का विभागिय सिफारिशानुसार प्रयोग करें।



कटाई

फलियां पककर भूरी हो जाए तब फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। थ्रेसर द्वारा दानों को अलग कर लेना चाहिए।



टिप्पणी

नोट- ऊपर दी गयी सलाह हमारे अनुभव, फील्ड ट्रायल एवं अनुसंधान केन्द्रों पर किये गये प्रयोगों पर आधारित है। लेकिन प्राकृतिक कारण जैसे जलवायु, भूमि का प्रकार एवं कृषि पतियों के कारण उपरोक्त जानकारी में अन्तर हो सकता है। बीज की गुणवत्ता के अलावा हम किसी तरह की गारन्टी नहीं ले सकते। क्योंकि अन्य परिस्थितियाँ हमारे नियंत्रण से बाहर है। ऊपर दी गई जानकारी किसान भाईयों की समृद्धि और सफलता के लिए है।

